गुदाद्वार, योनिद्वार, नाक, आंख एवं होंठों की त्वचा एवं श्लेष्मिक झिल्ली के मिलान वाले किनारों पर त्वचा में दरार, फटन, क्रेक, जख्मों का इलाज

अनेक लोगों को उनकी त्वचा और श्लेष्मिक झिल्ली के मिलने वाले हिस्सों अर्थात किनारों पर क्रेक या फटन या जख्म हो जाते हैं, कभी न भरने वाली दरारें पड़ जाती हैं। जो बाद में अनेक बार दर्दनाक या लाइलाज रूप धारण कर लेते हैं। ऐसे पीड़ित लोगों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में संतोषजनक समाधान नहीं मिल पाता है, तब वे थक-हारकर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी में समाधान तलाशते हैं। मैंने ऐसे कई दर्जन पेशेंट्स का सफल उपचार किया है। सर्वसाधारण की जानकारी हेतु बतलाया जाना अवश्यक है कि होम्योपैथी में नाइट्रिक एसिड या एसिड नाइट्रिक नाम से जानी जाने वाली दवाई का इस प्रकार के रोगी की बीमारी की स्थिति एवं अवस्थानुसार, उचित शक्ति में सेवन कराने से आश्चर्यजनक परिणाम मिलते हैं। कुछ उदाहरण: गुदाद्वार, योनिद्वारा, आंखों, होठों तथा नाक के त्वचा और श्लेष्मिक झिल्ली के मिलन वाले किनारों पर जख्म, फटन, चिटकन एवं दरार। जिन्हें त्वचा का क्रेक होना भी कहा जा सकता है। इस प्रकार की सभी तकलीफों में लक्षणानुसार होम्योपैथी की नाइट्रिक एसिड नामक दवाई अकेली ही या रटानिया के साथ तथा कुछ बॉयोकैमिक साल्ट्स के साथ मिलकर आरोग्य प्रदान करती है।-डॉ. पुरुषोत्तम मीणा 'निरंकुश

डॉ. पुरुषोत्तम मीणा 'निरंकुश' स्वास्थ्य रक्षक सखा एवं दाम्पत्य विवाद सलाहकार
+91 8561955619 (Between 10AM to 10PM) Website: www.healthcarefriend.in